दिल्ली परिवहन निगम की बस सेवा

2986. **श्रीमती सत्या पहिन :** क्या जल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम की सारी बसें अपने अपने संबंधित डिपो को उस मार्ग की कोई भी सवारी लिए बिना ही तेज गति से लौट जाती हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम समस्त नौएडा को अच्छी बस सेवा उपलब्ध करा रहा है ; यदि हां, तो दिल्ली परिवन निगम की बसों द्वारा सेक्टर 34 नौएडा में सेवा उपलब्ध न कराने के क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या सरकार नौएडा और करोल बाग के बीच बस सेवा शुरु करने का विचार रखती है ?

जल भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी, हां । तथापि, बेड़े की कमी के कारण नोएडा के प्रत्येक भाग को दि० प०नि० की बस सेवा के साथ जोड़ना संभव नहीं है ।

(ग) जी, नही ।

केन्द्रीय सड़क कोष के अन्तर्गत मध्य प्रदेश सरकार से प्राप्त प्रस्ताव

2981. **श्री अजीत जोगी:**
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या जल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1992-93 के दौरान मध्य प्रदेश सरकार द्वारा केन्द्रीय सड़क कोष (सी आर फ) से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत की गयी परियोजनाओं/योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रत्येक परियोजना के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गयी है; और

(ग) इस संबंध में आबंटित की गयी धनराशि और अब तक वास्तव में दी गयी धनराशि का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है ?

जल भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) वर्ष 1992-93 के दौरान मध्य प्रदेश सरकार से केन्द्रीय सड़क निधि के अंतर्गत कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ख) तथा (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

जहाजरानी उद्योग से अर्जित विदेशी मुद्रा

2988. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री वीरेन जे० शाह :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जहाजरानी उद्योग देश में उन उद्योगों में से एक है जो बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित करने में सक्षम है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इस उद्योग के माध्यम से वर्षवार औसतन कितनी-कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई;

(ग) क्या यह भी सच है कि विदेशी मुद्रा की यह राशि कतिपय सुधार लाने के बाद बढ़ाई जा सकती है;

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ङ) क्या यह भी सच है कि श्री हंस जे० पेट्रेस द्वारा दी गई विश्व